ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, शुक्रवार 26 अप्रेल 2024

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 1 अंक 55

पहलवानों से यौन शोषण के आरोपी ब्रजभूषण की याचिका खारिज

सांसद ने दोबारा जांच की मांग की थी; कोर्ट 7 मई को आरोप तय करेगी

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

जयपुर. राजस्थान में लोकसभा चुनाव 2024 के लिए दूसरे चरण के 24 न्यूज अपडेट ब्यूरो। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह की याचिका खारिज कर दी। बृजभूषण ने महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के आरोपों की दोबारा जांच कराने की मांग की थी। कोर्ट अब 7 मई को आरोप तय करेगी। बृजभूषण ने दावा किया था कि घटना के दिन 7 सितंबर 2022 को वह दिल्ली में नहीं थे, इसलिए इन आरोपों की दोबारा जांच की जाए। उन्होंने आरोप लगाने वाली पहलवानों की CDR (कॉल डिटेल रिपोर्ट) की कॉपी भी मांगी है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में जून 2023 को बृजभूषण के खिलाफ चार्जशीट दायर की थी। यौन शोषण मामले में पहली बार 18 जनवरी 2023 को रेसलर बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक, विनेश फोगाट समेत 30 से ज्यादा पहलवानों ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन भी किया था। बृजभूषण ने दिल्ली पुलिस की चार्जशीट को बताया था निराधार पहलवानों के आरोपों को लेकर बृजभूषण ने कहा था कि दिल्ली पुलिस ने 7 सितंबर को मेरे ऊपर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए चार्जशीट दाखिल की थी, वह पूरी तरह से निराधार है, क्योंकि मैं 7 सितंबर 2022 को विदेश में था, दिल्ली में था ही नहीं। साक्ष्य के तौर पर कोर्ट में अपना पासपोर्ट और टिकट भी जमा किया है। बृजभूषण ने दिल्ली पुलिस से सीडीआर रिपोर्ट कोर्ट में दिए जाने की मांग करते हुए आगे की जांच की मांग की थी। बृजभूषण शरण सिंह की अर्जी पर दिल्ली पुलिस ने कहा था कि सीडीआर रिपोर्ट गैर कानूनी दस्तावेज है, उनकी अर्जी पर सुनवाई न की जाए। चार्जशीट के अनुसार, बृजभूषण ने एक महिला पहलवान से WFI के दिल्ली ऑफिस में छेड़छाड़ की थी।

गहलोत बोले- किसी विधायक-सांसद के फोन टैप नहीं हुए:PM झूठ बोलते हैं

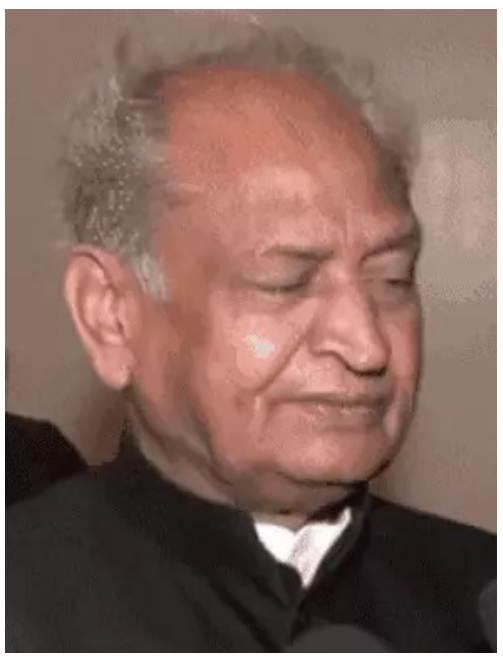

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

जयपुर/जोधपुर. पूर्व ओएसडी लोकेश शर्मा के आरोपों के बाद राजस्थान में फोन टैपिंग को लेकर सियासत फिर तेज हो गई है। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने फोन टैपिंग के आरोपों को सिरे से खारिज किया। साथ ही, उन्होंने पीएम मोदी और बीजेपी पर हमला बोला। उन्होंने कहा- पीएम झूठ बोलते हैं। गहलोत ने राजस्थान में दो डिजिट में कांग्रेस की सीटें आने का दावा किया है।

अधिकारी भी कानून से चलते हैं

शुक्रवार को जोधपुर के एक होटल में गहलोत ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा- फोन टैपिंग का कोई मुद्दा नहीं है। जो कहा गया उसका मैं जवाब देना नहीं चाहता हूं। इतना ही कहना चाहता हूं, राजस्थान में किसी पार्टी की सरकार हो। कभी भी एमएलए और एमपी के टेलीफोन टैप नहीं होते। एक लाइन में समझ जाइए। राजस्थान में जहां तक मैं जानकारी रखता हूं, किसी भी एमएलए एमपी के कभी भी टेलीफोन टैप नहीं हुए होंगे, ना होते हैं। बीजेपी भी नहीं करती होगी, क्योंकि अधिकारी भी तो कानून से चलते हैं। कभी कानून यह नहीं कहता कि उनके टेलीफोन टैप करो।

गहलोत ने कहा- हमारे वक्त में किसी भी विधायक-सांसद का फोन टैप नहीं हुआ। जिसने कहा है उस पर कोई कमेंट नहीं करना चाहता हूं। इतना ही कहूंगा हमारे वक्त में कोई षड्यंत्र नहीं हुआ।

शिव में भाटी और बेनीवाल के समर्थक भिड़े, सीआई चोटिल:विधायक का आरोप एजेंट के साथ की मारपीट; आधे घंटे तक रूकी रही वोटिंग

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

बाड़मेर. देश की हॉट सीट में से एक बाड़मेर सीट पर वोटिंग के साथ ही सोशल मीडिया पर आरोप-प्रत्यारोप की जंग भी चल रही है। इधर, दोपहर करीब 3 बजे जिले की शिव विधानसभा में निर्दलीय प्रत्याशी रविंद्र सिंह भाटी और उम्मेदाराम बेनीवाल के समर्थक आपस में भिड़ गए। सूचना मिलने पर आईजी विकास कुमार और बायतु विधायक हरीश चौधरी मौके पर पहुंचे। इस दौरान आधे घंटे तक वोटिंग रूकी रही। वहीं कांग्रेस विधायक हरीश चौधरी ने आरोप लगाया है कि हमारे एजेंट के साथ मारपीट कर बूथ से भगा दिया। इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। झड़प के दौरान बीच बचाव में शिव थानाधिकारी सुमेर सिंह के नाक पर चोट लग गई है। इससे पूर्व सुबह से ही दोनों के बीच में सोशल मीडिया वॉर चल रहा था। निर्दलीय प्रत्याशी रविंद्र सिंह भाटी ने सोशल मीडिया एक्स (ट्विटर) पर आरोप लगाया है कि ईवीएम पर उनके नाम के आगे टेप चिपकाई जा रही है। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी उम्मेदाराम ने आरोप लगाया कि निर्दलीय प्रत्याशी समर्थक बूथ कैप्चरिंग कर रहे हैं। उधर शिव में वोटिंग के दौरान कांग्रेस व निर्दलीय समर्थकों आपस में भिड़ गए। आधे घंटे वोटिग नहीं हो पाई। फिलहाल मौके पर आईजी विकास कुमार और प्रशासन के पहुंचने पर वोटिंग शुरू करवा दी है। इधर महाबार में दो पक्षों के बीच झगड़ा हो गया। इससे दो जने घायल हुए है और वहीं पुलिस ने दो लोगों को डिटेन किया है। इधर बाड़मेर-जैसलमेर में सुबह 11 बजे तक 59.70 प्रतिशत वोटिंग हो चुकी है। यहां मुकाबला त्रिकोणीय है। भाजपा के कैलाश चौधरी, कांग्रेस के उम्मेदाराम के साथ निर्दलीय रविंद्र भाटी भी मैदान में हैं। वोटिंग को लेकर लोकसभा क्षेत्र में सुबह से बुजुर्गों और युवा वोटर्स में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है।बूथ पर एंट्री के समय बुजुर्ग, युवा और महिलाएं दौड़ते नजर आए। सुबह मॉर्कपोल के बाद 7 बजे वोटिंग शुरू की गई। वोटर कविता ने कहा- मैंने पहली बार वोट दिया। खुशी है कि लोकतंत्र के पर्व में भी हिस्सेदार बनने का मौका मिला।

राहुल बोले- आजकल मोदी घबराए हुए हैं:कुछ दिनों में स्टेज पर उनके आंसू निकल आएंगे, उन्होंने 10 साल में गरीबों का पैसा छीना

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

बेंगलुरु. कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कर्नाटक के बीजापुर में चुनावी रैली के दौरान अपने संबोधन में कहा कि आजकल PM नरेंद्र मोदी अपने भाषण के दौरान काफी घबराए हुए रहते हैं। शायद कुछ दिनों में स्टेज पर उनके आंसू निकल आएं। राहुल ने कहा- PM मोदी ने पिछले 10 साल में गरीबों से सिर्फ पैसा छीना है। उन्होंने सिर्फ 20-25 लोगों को अरबपति बनाया है। उन अरबपतियों के पास उतना धन है, जितना 70 करोड़ हिंदुस्तानियों के पास है। हिंदुस्तान में 1% ऐसे लोग हैं, जो 40% धन कंट्रोल करते हैं। कांग्रेस सांसद ने आगे कहा- मोदी कुछ लोगों को अरबपति बनाते हैं, कांग्रेस सरकार करोड़ों लोगों को लखपति बनाएगी। कांग्रेस बेरोजगारी और महंगाई मिटाकर आपको

भागीदारी देगी। जितना पैसा मोदी ने अरबपतियों को दिया है, उतना पैसा हम गरीबों कोदेंगे।

विजय माल्या को फ्रांस के जरिए वापस लाने की तैयारी:दावा- भारत ने बिना शर्त प्रत्यर्पण मांगा; माल्या की वहां भी 313 करोड़ की संपत्ति

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट ब्यूरो। भारत सरकार भगोड़े शराब कारोबारी विजय माल्या को देश लाने की कोशिश कर रही है। इसके लिए सरकार ने फ्रांस के अधिकारियों से बिना शर्त माल्या को भारत को सौंपने की मांग की है। द इंडियन एक्सप्रेस ने रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी। माल्या अभी ब्रिटेन में है, लेकिन भारत इस वक्त हर उस देश से संपर्क कर रहा है, जहां माल्या की प्रॉपर्टी है। ऐसा इसलिए, अगर माल्या ब्रिटेन छोड़कर दूसरे देश भागता है तो उसे वहां से भारत लाने में ज्यादा समय न लगे। फ्रांस ने शर्तों के साथ प्रत्यर्पण का ऑफर दिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारत और फ्रांस के बीच में माल्या के प्रत्यर्पण पर बातचीत 15 अप्रैल को काउंटर-टेररिज्म के वर्किंग ग्रुप की एक बैठक के दौरान हुई। हालांकि, इसकी जानकारी अब सामने आई है। फ्रांस ने इस

बैठक में कुछ शर्तों के साथ माल्या के प्रत्यर्पण का ऑफर दिया, लेकिन भारत ने उनसे शर्तें हटाने को कहा है। इस बैठक में भारत की तरफ से विदेश मंत्रालय के जॉइंट सेक्रेटरी केडी देवल शामिल हुए थे। इसके अलावा बैठक में इंटेलिजेंस एजेंसी के कई अधिकारी भी मौजूद रहे। किंगफिशर एयरलाइंस समेत कई कंपनियों के मालिक रहे भारतीय बिजनेसमैन विजय माल्या पर देश के 17 बैंकों के करीब 9 हजार करोड़ रुपए बकाया हैं।

SC में याचिका-NOTA को ज्यादा वोट तो चुनाव रद्द हो:चुनाव आयोग को नोटिस; सूरत में BJP कैंडिडेट की निर्विरोध जीत से उठा मामला

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने NOTA से जुड़ी एक याचिका पर चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है। याचिका शिव खेड़ा (मोटिवेशनल स्पीकर और You Can Win के लेखक) ने लगाई है। इसमें चुनाव आयोग को निर्देश देने की मांग की गई है। पिटीशन के मुताबिक, अगर NOTA (नन ऑफ द अबव) को किसी कैंडिडेट से ज्यादा वोट मिलते हैं तो उस सीट पर हुए चुनाव को रद्द कर दिया जाए और नए सिरे से चुनाव कराए जाएं। CJI डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच शुक्रवार 26 अप्रैल को शिव खेड़ा की याचिका पर सुनवाई करने के लिए तैयार हो गई है। लोकसभा चुनाव 2024 के दो चरणों की वोटिंग के बाद लगी याचिका सूरत में 22 अप्रैल को BJP कैंडिडेट मुकेश दलाल की निर्विरोध जीत के संदर्भ में याचिका दायर की गई है। दरअसल, यहां से कांग्रेस कैंडिडेट नीलेश कुंभाणी का

पर्चा रद्द हो गया था। उनके पर्चे में गवाहों के नाम और दस्तखत में गड़बड़ी थी। इस सीट पर भाजपा और कांग्रेस कैंडिडेट समेत 10 प्रत्याशी मैदान में थे।

सम्पादकीय - भूख की त्रासदी

स्वतंत्र लेखक

अपने आप में एक बड़ा विरोधाभास है कि जिस दौर में दुनिया भर में अर्थव्यवस्था के चमकते आंकड़ों के जरिए लगातार विकास का हवाला दिया जाता है, उसमें करोड़ों लोगों को पेट भरने के लिए खाना तक नहीं मिलता है। यह अफसोसनाक हकीकत एक तरह से विकास के दावों के सामने आईना है, जो इस बात पर विचार करने जरूरत को रेखांकित करता है कि इसकी दिशा क्या है और आखिर यह किसके लिए है। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र ने बुधवार को 'ग्लोबल रिपोर्ट आन फूड क्राइसिस' यानी खाद्य संकट पर वैश्विक रपट में यह खुलासा किया कि विश्व के उनसठ देशों के लगभग 28.2 करोड़ लोग सन 2023 में भूख से तड़पने को लाचार हुए। भूख का सामना करने वाले लोगों की तादाद 2022 के मुकाबले 2.4 करोड़ ज्यादा रही। रपट के मुताबिक, भूखे रहने वालों में बच्चे और महिलाएं सबसे ज्यादा हैं। इसके अलावा, बत्तीस देशों में पांच वर्ष से कम उम्र के 3.6 करोड़ अधिक बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित हैं। साथ ही मुद्ध और अन्य प्राकृतिक आपदाओं की वजह से बढ़ते विस्थापन के बीच पिछले वर्ष कुपोषण की समस्या और ज्यादा गहरी हो गई। सवाल है कि दुनिया भर में और खासतौर पर अंतरराष्ट्रीय संगठनों में अगर भूख सहित कई बड़ी। समस्याओं से लड़ने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी की बात की जाती है तो इस त्रासदी के लिए किसे जवाबदेह ठहराया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र की रपट में यह बताया गया है कि चीस देशों में भूख की मुख्य वजह वहां चल रहे हिंसक संघर्ष थे। दूसरा बड़ा कारण यह था कि बढ़ते तापमान या मौसम से संबंधित आपदाओं, कीटों के हमले और महामारी के बीच करीब सात करोड़ सत्तर लाख से ज्यादा लोगों को उच्च स्तर की गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना करना पड़ा। इसी तरह, खाने-पीने की चीजों की महंगाई, आयातित खाद्य वरतुओं पर निर्भरता, उच्च ऋण स्तर आदि वजहों से भी लोगों को भूख की समस्या से रूबरू होना पड़ा। सवाल है कि संयुक्त राष्ट्र की ओर से या वैश्विक स्तर पर भुखमरी के लिए जिन कारणों को चिह्नित किया गया है, उसका हल निकालने की कोशिश किसे करनी है और वह कब होगा! यह एक जगजाहिर तथ्य है कि संयुक्त राष्ट्र या फिर अन्य संस्थाओं की ओर से विश्व भर में भूख के संकट पर अक्सार अध्ययन रपटें जारी की जाती हैं। उसमें कारण भी बताए जाते हैं। मगर उन्हें दूर करने को लेकर बात औपचारिकताओं से आगे नहीं बढ़ पाती। अन्यथा क्या वजह है कि वर्षों से भुखमरी के हालात कायम रहने के बावजूद इस दिशा में अब तक कोई ठोस हल सामने नहीं। आ सका है। उल्टे आर्थिक और सामरिक स्तर पर दुनिया के ताकतवर देश भुखमरी की त्रासदी की ओर ध्यान दिलाए जाने पर भी उसके समाधान को लेकर शायद ही कोई रुचि दिखाते हैं। गरीबी, जलवायु परिवर्तन आदि से उपजी समस्याओं से अगर कोई देश ज्यादा प्रभावित होता है तो सक्षम देश उनकी मदद के लिए क्या करते हैं? संयुक्त राष्ट्र की ताजा रपट में यह भी बताया गया है कि युद्धग्रस्त गावा में सबसे ज्यादा लोगों ने अकाल की गंभीर स्थिति का सामना किया। सवाल है कि संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्था के होते हुए भी युद्धग्रस्त इलाकों में ऐसे हालात कैसे लंबे समय तक बने रहते हैं और युद्ध को खत्म कराने के प्रयास महज दिखावे के क्यों साबित होते हैं कि लोगों के सामने भूख से तड़पने की नौबत आती है।

दावा और हकीकत

दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार ने अपने शासन काल में स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में बड़े बदलाव करने और उससे व्यापक पैमाने पर जनता का हित सुनिश्चित करने के दावे बढ़-चढ़ कर किए हैं। मगर इन दोनों क्षेत्रों में जो तस्वीरें सार्वजनिक रूप से पेश की गईं, उसकी जमीनी हकीकत वैसी ही नहीं रहीं। जहां तक स्वास्थ्य के क्षेत्र का सवाल है, अस्पतालों की दशा सुधारने से लेकर स्वास्थ्य सुविधाओं तक आम लोगों की आसान पहुंच के लिहाज से 'मोहल्ला क्लीनिक' भी खोले गए। मगर व्यवहार में इसका अपेक्षित लाभ लोगों को नहीं मिल सका। इसके समांतर पिछले कुछ महीनों के दौरान दिल्ली के कुछ सरकारी अस्पतालों से जिस तरह दवाइयों और अन्य संसाधनों की कमी के कई मामले सामने आए, उससे यही पता चलता है कि एक तरह की अव्यवस्था पसर रही है, जिसका खमियाजा वहां पहुंचने वाले मरीजों को उठाना पड़ता है। गौरतलब है कि द्वारका इलाके में बुधवार को दिल्ली सरकार के इंदिरा गांधी अस्पताल में भर्ती मरीज के परिजनों को रुई बाहर से खरीद कर लाने को कहा गया। यह स्थिति अपने आप में सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं का सच बताने के लिए काफी है। एक उपलब्धि और 'माडल' के रूप में बहुप्रचारित सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की हालत ऐसी क्यों देखने में आ रही है कि किसी अस्पताल में दवाइयां नहीं हैं तो कहीं रुई जैसी सबसे बुनियादी जरूरत की चीजें भी मरीजों के तीमारदारों को बाहर से लानी पड़ रही हैं। कुछ समय पहले खुद उपराज्यपाल ने यहां के स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिख कर दिल्ली सरकार के कामकाज और दावों पर सवाल उठाए थे। दिल्ली के कुछ अस्पतालों के दवाइयों की कमी से जूझने की भी कई खबरें आईं। आरोप-प्रत्यारोप के बीच आखिर यह व्यवस्था सुनिश्चित करना किसकी जिम्मेदारी है कि लोग जब किसी बीमारी का इलाज कराने दिल्ली के किसी अस्पताल में पहुंचें तो वहां चिकित्सक, जरूरी दवाइयां और अन्य बुनियादी संसाधन उपलब्ध हों? सिर्फ प्रचार और दावा करने से किसी सेवा में सुधार नहीं होता, बल्कि उसके लिए वास्तव में पहल करनी पड़ती है। अगर कोई अड़चन आए, संसाधनों की कमी पैदा हो तो उसका विकल्प निकालना पड़ता है, ताकि समस्या का समाधान निकले।

लास्ट टाइम वोटर : ये वोटर दौड़कर नहीं आते तो पांच साल पछताते...

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर। आज सुबह से उदयपुर के मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय परिसर में लोकतंत्र का मेला लगा है। पोलिंग पार्टियां को सुबह इलेक्शन प्रोसेस की अंतिम हिदायतें दी गईं, सावधानियां बताई गई और डूज एंड डोंट के बारे में चर्चा हुई। इसके बाद सबने लाइनों में लग कर बारी-बारी से ईवीएम, बैलेट यूनिट सहित अन्य साम-ग्रियां प्राप्त की। जांचा-परखा और फिर स्वच्छ एवं स्वस्थ लोकतंत्र की सेहत को दुरूस्त करने का जिम्मा अपने कांधों पर और मन में उल्लास लिए मतदान दल बारी-बारी से गंतव्य को रवाना हो गए। जिला निर्वाचन अधिकारी के रूप में टीम का नेतृत्व कर रहे कलेक्टर अरविंद पोसवाल ने भी सभी व्यवस्थाओं को जांचा, परखा और निरीक्षण किया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी दीपेंद्र सिंह राठौड़, जिला परिषद सीईओ कीर्ति राठौड़ भी मौजूद रहे। खास बात यह रही कि इस महायज्ञ में नारी शक्ति ने भी बढ चढकर हिस्सेदारी की।

जयसमंद में मतदान के प्रति जागरूक टापूवासी, नौका में सवार होकर मत डालने पहुंच रहें ग्रामीण

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

विश्व विख्यात जयसमंद झील के बीच बसें टापुओं के लोग मतदान को लेकर बहुत जागरूक नज़र आ रहे हैं। निर्वाचन विभाग की जागरूकता के चलते टापू के लोग मतदान को लेकर काफी सक्रिय हैं। सरपंच, प्रधान, विधायक और सांसद के चुनाव को लेकर टापू के लोग लकड़ी की नौका में सवार होकर मतदान केंद्रों पर पहुंचकर सरकार को चुनते हैं,। इस बार भी लोकसभा मतदान दिवस पर अलसुबह से कई मतदाता नाव में सवार होकर अपने मत का उपयोग कर रहें है । बता दें कि झील में करीब 8 टापू हुए हैं। जहां कई टापुओं में तो लोग रियासत काल से निवास कर रहे हैं।

ढोल-ढमाकों की थाप पर नाचते-गाते वोट डालने आए किन्नर...

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में अजमेर के मतदाताओं में देखा गया उत्साह, किन्नर समाज में दिखा मतदान को लेकर उत्साह, ढोल ढमाकों की थाप पर मतदान करने पहुंचे किन्नर, अजमेर शहर के मैमेया का चौक स्थित मतदान केंद्र में किया मतदान, लोकतंत्र के पर्व में निभाई भागीदारी, 2014 से मिला है किन्नरों को मतदान का अधिकार। इस अवसर पर किन्नर प्रतिनिधि ने कहा कि देश में अच्छा प्रधानमंत्री बनने के लिए वोट करें।

अंतिम संस्कार के बाद वोट डालने पहुंचा पूरा परिवार

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

बांसवाड़ा जिले के घाटोल विधानसभा क्षेत्र में भूंगड़ा पोलिंग स्टेशन पर अनोखा नजारा देखने को मिला। गांव के निवासी 65 साल के गणपत पुत्र जीवा की अचानक मौत हो गई। परिजनों ने उसका दाह संस्कार कराया और सारी विधियां पूर्ण करने के बाद सभी परिजन मतदान करने बूथ पर जा पहुंची। मृतक की पत्नी और बेटों ने भी वोट डाला।

डाफाचूक : डावा हाथ री जग्यां जीमणा हाथ री उंगली पे लगाई दीदो निशान...

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। राजसमंद के रेलमगरा में पोलिंग पार्टी डाफाचूक हो गई। मतदाताओं को बाए हाथ की बजाय दाहिने हाथ की अंगुली पर स्याही का निशान लगाया गया। रेलमगरा में भाग संख्या 198 के पोलिंग बूथ पर कई मतदा-ताओं को दाए हाथ की अंगुली पर स्याही के निशान लगा दिए। मतदाताओं ने सेल्फियां भी ले ली। बाद में जब नियम का पता चला तो माथा पीट लिया और मुद्दा गर्माया और इसके बाद फिर सही हाथ पर स्याही लगना शुरू हुआ।

कमलेश गया वोट डालने, पहले ही कोई डाल गया फर्जी वोट

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। सीनियर सेकेंडरी स्कूल पदराड़ा में कमलेश पुत्र हीरा लाल दर्जी का वोट कोई और डाल गया। कमलेश ने बताया कि वह उदयपुर रहता है व उपसरपंच रतन मेवाड़ा ने कॉल कर वोट डालने के लिए बुलाया था। जब वह वोट डालने के लिए अपने मतदान केंद्र तक गया व लाइन में लगा व वोट की बारी आई तो

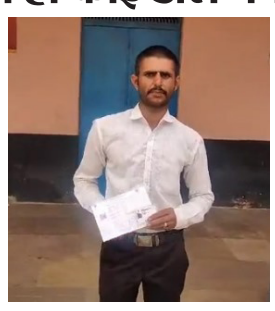

बताया गया कि उसका वोट तो कोई व्यक्ति पहले ही डाल कर जा चुका था। कमलेश दर्जी ने फर्जी वोटिंग का आरोप लगाया व वोट डलवाने की मांग की। इस पर रिटर्निंग अधिकारी डॉ. नरेश सोनी ने कमलेश का टेंडर वोट डलवाया।

झालावाड़ में रावण के भेष में वोट डालने आया मतदाता

लोकतंत्र के ब्याव में..आए हम बाराती..बैंड, बाजा बारात लेकर...

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में राजस्थान में कम मतदान के बाद दूसरे चरण में अपार उत्साह देखने को मिल रहा है। मतदान शुरू होने से पहले ही बूथ पर कतार लग गई। चित्तोड़ संसदीय सीट पर मतदान के दौरान उदयपुर की देबारी पंचायत में एक दुल्हा बारात चढ़ाने से पहले पूरी बारात सहित ढोल धमाके से वोटिंग करने पहुंचा। देबारी निवासी जितेंद्र वैष्णव की बारात देबारी से 50किमी दूर देलवाड़ा जाने से पहले पोलिंग बूथ पर पहुंची। मतदान दिवस से पूर्व उप सरपंच चंदन सिंह देवडा ने सभी बारातियों को पहले वोट फिर शादी के लिए प्रेरित किया। गाजे बाजे से जब पूरी बारात वोट डालने पहुंची तो पोलिंग बूथ पर पूरा माहौल ही उत्साह से भर उठा।

भीलवाडा में लाइन में लगे बुजुर्ग की मौत

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट भीलवाडा। भीलवाड़ा में पोलिंग बूथ पर उपनगर पूर्व स्थित वार्ड नंबर 2 भाग संख्या 7 पर सामुदायिक भवन बस स्टेशन के पास वोट देने आए एक बुजुर्ग छगन विश्नोई की मतदान के लिए जाते वक्त हालत बिगड गई व उनकी मौत हो गई। उनकी उम्र 85 वर्ष बताई गई। भीलवाडा के पुर कस्बे में यह घटना हुई। अपने पोते के साथ आए बुजुर्ग को लाइन में खडे खडे ही चक्कर आ गए। अस्पताल ले गए तो मृत घोषित किया। बड़ा सवाल यह खडा हो गया है कि बुजुर्ग को धर पर ही मतदान क्यों नहीं करवाया गया।

पुलिस का 'फरमान' : रविंद्र सिंह भाटी का भाई तुरंत प्रभाव से जैसलमेर जिला छोड़कर चला जाए...

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

जैसलमेर.. पश्चिमी राजस्थान में बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा का चुनाव पहले दिन से चर्चा में बना हुआ है. वहीं, शुक्रवार को मतदान के दिन लगातार वहां से कई तरह की खबरें सामने आ रही हैं. निर्दलीय प्रत्याशी रविंद्र सिंह भाटी लगातार सोशल मीडिया पर पोस्ट डाल रहे हैं कि उनके एजेंटों को बूथ से बाहर निकाला जा रहा है. उनके समर्थकों को वोटिंग से रोका जा रहा है. सरकार और पुलिस प्रशासन के दुरुपयोग के भी आरोप लगाए हैं. इस बीच जैसलमेर पुलिस ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट डाली है, जिसमें कहा गया है कि रविंद्र सिंह भाटी का भाई जैसलमेर का निवासी नहीं है और वह जैसलमेर में मौजूद रहकर लोगों को प्रभावित कर रहा है. पुलिस अपील करती है कि वह तुरंत प्रभाव से जैसलमेर जिला छोड़कर चला जाए. इस पोस्ट पर पुलिस के पक्ष और विपक्ष में लोगों ने जमकर प्रतिक्रिया दी है. सोशल मीडिया पर छाए भाटी और बाड़मेर : राजस्थान में लोकसभा चुनाव 2024 के दूसरे चरण का मतदान 13 सीटों पर है, लेकिन सोशल मीडिया पर बाड़मेर और रविंद्र सिंह भाटी ही छाए हुए हैं. भाटी के समर्थक लगभग हर बड़े मतदान केंद्रों के आसपास मौजूद हैं और वहां से लगातार अपडेट कर रहे हैं. रविंद्र सिंह भाटी ने कई समर्थकों के पोस्ट रिपोस्ट भी किए हैं.

11 ट्रेनी एसआई और एक कॉन्स्टेबल सुप्रीम कोर्ट पहुंचे

अदालत ने कहा- हाईकोर्ट एक मई से सप्ताहभर में सुनवाई पूरी कर फैसला करे

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

जयपुर.सआई भर्ती मामले में गिरफ्तार 11 ट्रेनी एसआई और एक कॉन्स्टेबल सहित 12 आरोपियों की हाईकोर्ट के जमानत रद्द करने के फैसले के खिलाफ आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को निर्देश दिया है कि वे 1 मई से एक सप्ताह के अंदर सुनवाई पूरी करके फैसला दें। आरोपियों ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी लगाकर हाईकोर्ट के 15 अप्रैल के आदेश को चुनौती दी थी। दरअसल, जयपुर मैट्रो-द्वितीय की सीएमएम कोर्ट ने आरोपियों को 12 अप्रैल को जमानत देने का आदेश दिया था। इसके खिलाफ सरकार हाईकोर्ट गई थी। हाईकोर्ट ने 15 अप्रैल को सुनवाई के बाद सीएमएम के आदेश पर रोक लगा दी थी। अब आरोपी हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। आरोपियों की ओर से कहा गया कि उनके रिलीज ऑर्डर जारी हो चुके थे। हाईकोर्ट ने गलत तरीके से आरोपियों की गिरफ्तारी पर रोक लगाई है।

सीएमएम कोर्ट ने आरोपियों को दी थी जमानत

दरअसल, जयपुर मैट्रो-द्वितीय की सीएमएम कोर्ट ने आरोपियों को एसओजी की तरफ से गिरफ्तार करने के 24 घंटे बाद पेश करने को उल्लंघन माना था। कोर्ट ने माना था कि एसओजी ने आरोपियों को अवैध हिरासत में रखा है। इस पर कोर्ट ने गिरफ्तार ट्रेनी एसआई हरखू, मंजू, सुरेन्द्र कुमार, जयराज सिंह, सुभाष, दिनेश, चेतन सिंह, मालाराम, राकेश, दिनेश, चेतन सिंह, मालाराम,राकेश, अजय, मनीष और कांस्टेबल अभिषेक को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए थे।

ये है मामला

बता दें कि एसओजी की टीम 2 अप्रैल को सुबह करीब 9.30 राजस्थान पुलिस एकेडमी (RPA) पहुंची थी। यहां तीन घंटे तक आरोपियों से पूछताछ की थी। इसके बाद 15 ट्रेनी एसआई को डिटेन कर एसओजी मुख्यालय लाया गया था। इसमें 2 महिला और 13 पुरुष सब इंस्पेक्टर शामिल थे। यहां पूछताछ के बाद 3 अप्रैल को 11 ट्रेनी एसआई को गिरफ्तार कर लिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने 100 प्रतिशत ईवीएम-वीवीपीएटी सत्यापन की याचिका खारिज की, सिंबल लोडिंग यूनिट को सील करने आदेश

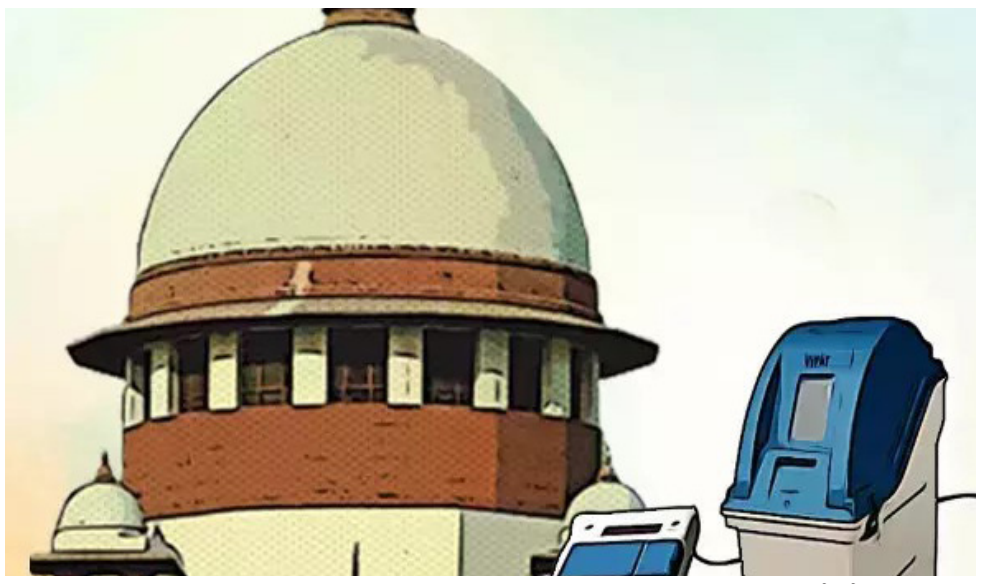

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट, लॉ ब्यूरो नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आज मतदाता सत्यापन योग्य पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) रिकॉर्ड के साथ इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) डेटा के शति प्रतिशत क्रॉस-सत्यापन की मांग करने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया। यह फैसला जस्टिस संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की पीठ ने सुनाया । हालाँकि मामले 18 अप्रैल को आदेशों के लिए आरक्षित थे , लेकिन उन्हें 24 अप्रैल को फिर से सूचीबद्ध किया गया क्योंकि पीठ चुनाव आयोग से कुछ तकनीकी स्पष्टीकरण चाहती थी। दिए गए जवाबों को ध्यान में रखते हुए आज आदेश सुनाया गया। जज खन्ना ने फैसलों के निष्कर्ष का हवाला देते हुए कोर्ट में कहा कि बैलेट पेपर से मतदान को वापस शुरू करने, ईवीएम-वीवीपैट सत्यापन पूरा करने, मतदाताओं को वीवीपैट पर्चियां देने आदि की प्रार्थनाएं खारिज कर दी गई हैं। हालाँकि, निम्नलिखित 2 निर्देश जारी किए गए हैं। 01.05.2024 को या उसके बाद की गई ईवीएम में चुनाव चिन्ह लोडिंग प्रक्रिया पूरी होने पर, लोडिंग इकाई को सील कर दिया जाना चाहिए और कंटेनरों में सुरक्षित किया जाना चाहिए। उम्मीदवार और उनके प्रतिनिधि मुहर पर हस्ताक्षर करेंगे। एसएलयू वाले सीलबंद कंटेनरों को नतीजों की घोषणा के बाद कम से कम 45 दिनों तक ईवीएम के साथ स्टोर रूम में रखा जाएगा। इन्हें ईवीएम की तरह खोला और सील किया जाना चाहिए।' मेमोरी सेमीकंट्रोलर यानी कंट्रोल यूनिट, बैलेट यूनिट और वीवीपैट की प्रति विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र प्रति संसदीय क्षेत्र में घोषणा के बाद ईवीएम के निर्माताओं के इंजीनियरों की एक टीम द्वारा जांच और सत्यापन किया जाएगा। उम्मीदवारों 2 और 3 के लिखित अनुरोध पर परिणाम। ऐसा अनुरोध परिणाम घोषित होने के 7 दिनों के भीतर किया जाना चाहिए। वास्तविक लागत अनुरोध करने वाले उम्मीदवार द्वारा वहन की जाएगी। ईवीएम से छेड़छाड़ पाए जाने पर खर्चा वापस किया जाएगा। न्यायमूर्ति खन्ना ने चुनाव आयोग से कहा कि वह वोटों की पर्चियों की गिनती के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक मशीन के सुझाव की जांच करे और यह भी देखे कि क्या चुनाव चिन्ह के साथ-साथ प्रत्येक पार्टी के लिए एक बार कोड भी हो सकता है। न्यायमूर्ति दत्ता ने अपने फैसले के अतिरिक्त बिंदुओं का जिक्र करते हुए यह भी कहा कि किसी प्रणाली पर आंख मूंदकर अविश्वास करने से अनुचित संदेह पैदा हो सकता है। "इसके बजाय, सिस्टम की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए साक्ष्य और कारण द्वारा निर्देशित एक महत्वपूर्ण लेकिन रचनात्मक दृष्टिकोण का पालन किया जाना चाहिए"। याचिकाएं एनजीओ-एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स, अभय भाकचंद छाजेड़ और अरुण कुमार अग्रवाल द्वारा दायर की गई थीं। याचिकाकर्ताओं ने प्रार्थना की कि प्रचलित प्रक्रिया के बजाय, जहां चुनाव आयोग प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में केवल 5 यादृच्छिक रूप से चयनित मतदान केंद्रों में वीवीपैट के साथ ईवीएम वोटों को क्रॉस-सत्यापित करता है, सभी वीवीपैट को सत्यापित किया जाए। उन्होंने आगे यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने की मांग की कि वोट को 'डाले गए वोट के रूप में दर्ज किया जाए' और 'रिकॉर्ड किए गए वोट के रूप में गिना जाए'। ईसीआई ने याचिकाओं का विरोध करते हुए कहा कि यह 'अस्पष्ट और निराधार' आधार पर ईवीएम और वीवीपैट की कार्यप्रणाली पर संदेह पैदा करने का एक और प्रयास है। इसके अलावा, यह तर्क दिया गया कि सभी वीवीपैट पेपर पर्चियों को मैन्युअल रूप से गिनना, जैसा कि सुझाव दिया गया है, न केवल श्रम और समय-गहन होगा, बल्कि 'मानवीय त्रुटि' और 'शरारत' का भी खतरा होगा। ईसीआई का यह भी कहना था कि ईवीएम से छेड़छाड़ नहीं की जा सकती और मतदाताओं के पास ऐसा कोई मौलिक अधिकार नहीं है जैसा कि याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है।

ट्विटर एक्स की नादानी, डीपीआर की साइट पर 'उंगली' दिखाती महिला वोटरों के फोटो को बताया 'सेंसिटिव'

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। भारत में वोटिंग के दूसरे चरण में बडी संख्या में उत्सह के साथ मतदाता घरों से निकल कर बूथों तक वोट डालने आए हैं। बूथों पर सेल्फी प्वाइंट हें जहां पर बडे ही उल्लास के साथ फोटो खिंचवाए जा रहे हैं। मगर ट्विटर एक्स की एल्गोरिद्म मशीन बौरा सी गई है। जिन फोटो में महिला वोटर्स इकट्ठा होकर वोटिंग का निशान दिखा रही है उनके आगे कंटेंट वार्निंग व सेंसिटिव कंटेंट लिख कर ब्लर कर दिया है। इसे क्लिक करने पर ही फोटो खुलते हैं। जानकारों का कहना है कि पहले चरण के फोटो व वीडियो में भी ऐसा ही कुछ हुआ था। अब मजे की बात ये है कि जिन फोटो को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग राजस्थान सरकार ने शेयर किया है उनके आगे भी यही मैसज लिख दिया गया है। कई लोग इस बारे में मजाकिया अंदाज में कह रहे हैं कि शायद विदेशी ट्विटर की मशीन को फोटो मं उंगली के निशान पर स्याही दिखाने पर वही फीलिंग आती है जो अन्य ऐसे चित्रां को देखने पर आती है जिन्हें वह उचितनहीं समझता।

जयपुर एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी ईमेल में लिखा पकड़ सको तो पकड़ लो

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट. जयपुर। इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। ऑफिशियल फीडबैक आईडी पर शुक्रवार दोपहर धमकी भरा ईमेल भेजा गया। दोपहर करीब 1:30 बजे पुलिस को एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 के गेट पर बैग में बम रखे होने की सूचना दी गई। राजेश नाम के व्यक्ति ने धमकी भरा ईमेल भेजा था। वो बोला- मैं बेंगलुरु में बैठा हूं। पकड़ सको तो पकड़ लो।इसके बाद एयरपोर्ट के सुरक्षाकर्मियों के साथ ही एंटी बम स्क्वॉड ने सर्च अभियान चलाया। साइबर टीम भी जांच में जुट गई है। एयरपोर्ट के अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों को फीडबैक के लिए दी गई आईडी पर आज दोपहर में ईमेल भेजा गया। ईमेल करने वाले ने खुद को बेंगलूरु का होने की बात लिखी है। ईमेल में आरोपी ने एयरपोर्ट के एंट्रेंस गेट पर बम रखा होने की बात कहते हुए धमकी दी। इस पर सनसनी फेल गई व डॉग स्क्वॉड, एंटी बम स्क्वॉड और एयरपोर्ट की सभी सुरक्षा एजेंसियों ने गहरी जांच शुरू की। लगभग डेढ़ घंटे की जांच में एयरपोर्ट एरिया में किसी तरह की कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। मामले में एयरपोर्ट थाने में केस दर्ज करवा दिया गया है। इसमें लिखा था- जयपुर एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 गेट पर काले रंग के बैग में बम रखा हुआ है।

मछली पकड़ने गए पिता-पुत्र समेत चार लोग तालाब में डूबे

देर रात पैर फिसलने से हुआ हादसा, सुबह तैरते दिखाई दिए शव

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

पाली. देर रात तालाब में मछली पकड़ने गए एक ही परिवार के चार लोगों की डूबने से मौत हो गई। सुबह जब ग्रामीणों ने तालाब में शव तैरता देखा तो पुलिस व परिजनों को सूचना दी गई, जिसके बाद टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। मामला पाली जिले के नाणा थाना क्षेत्र के चामुंडेरी गांव का है, जहां देर रात यह हादसा हुआ। पुलिस ने बताया कि चारों सदस्य एक ही परिवार के थे और फिसलन होने के कारण एक के बाद एक फिसलते चले गए। पुलिस ने बताया- मृतक की पहचान चामुंडेरी गांव के दिनेश कुमार वाल्मीकि(40) और उसके पुत्र गौरव(17), अरमान(15) और भांजे मोहित(15) पुत्र विनोद कुमार निवासी पाली के रूप में हुई। यह सभी लोग गुरुवार रात करीब 11 बजे गांव में चट्टानी पहाड़ों के बीच स्थित तालाब में जाल लेकर मछली पकड़ने गए थे। इस दौरान फिसलन होने से चारों लोग गहरे पानी में चले गए और एक-दूसरे को बचाने के फेर में चारों पानी में डूब गए। शुक्रवार सुबह ग्रामीणों ने तालाब में दिनेश कुमार वाल्मीकी का शव तैरता देख परिजनों व पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शुक्रवार सुबह 9 बजे रेस्क्यू शुरू किया। करीब छह घंटे बाद दोपहर 3 बजे तक एक-एक कर चारों शव तालाब से बाहर निकाले गए। एक ही परिवार के चार लोगों की तालाब में डूबने से मौत की खबर पाकर मौके पर ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। पुलिस ने चारों शव मॉर्च्युरी में रखवाए है, जिन्हें पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंपा जाएगा।

गन्ने के जूस की मशीन में आ गए बाल, खोपड़ी सहित उखड़ गए बाल, जवान जयसिंह ने बचाई जान...

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। उदयपुर से इस वक्त की बड़ी खबर आ रही हैं। अंबा माता पुलिस थाने के सामने गन्ने का जूस निकाल रही तनीषा माली उम्र 22 वर्ष जूस निकालते समय हादसे का शिकार हो गई। तनीषा माली जैसे ही गन्ने के अंतिम छोर को अंदर धकेलने के लिए नीचे झुकी, अचानक मोटर के अंदर बाल आ गए और पूरी खोपड़ी के बाल बाहर आ गए। मौके पर मौजूद सरकारी स्कूल में राजस्थान नागरिक सुरक्षा विभाग उदयपुर के जवान जय सिंह सरदार बेल्ट नंबर 192 वोटिंग के लिए आए हुए थे। जय सिंह की जैसे ही नजर पड़ी उन्होंने तत्परता दिखाते हुए बच्ची को एमबी अस्पताल पहुंचाया। बच्ची की खोपड़ी से निकले बालों को लेकर पहुंचा एमबी हॉस्पिटल। जिसने भी यह दृश्य देखा सिहर उठा। हम इन दृश्यों को आपको नहीं दिखा सकते इसलिए फोटो को ब्लैंक एंड व्हाइट में दर्शा रहे है।

6 जैनेश्वरी दीक्षा संपन्न, कर्म पथ से चले संयम पथ

परिजन और समाज की मिली सहमति, आचार्यश्री ने प्रदान किया आशीर्वाद

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

भीलवाड़ा. भीलवाड़ा में सकल दिगंबर जैन समाज की ओर से दीक्षा कार्यक्रम हुआ। आचार्य सुंदर सागर महाराज की मौजूदगी में तेरापंथ नगर सभागार में आयोजन किया गया। यहां जैन दंपती सहित 6 ब्रह्मचारी जैनेश्वरी दीक्षा ग्रहण कर संयम पद पर अग्रसर हुए।

दीक्षा ग्रहण करने वाले ये 6 दीक्षार्थी राजस्थान के बांसवाड़ा, उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद, बाराबंकी और महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले से हैं। ये सभी 2020 से आचार्यश्री के सानिध्य में हैं। इनकी दीक्षा से पहले विभिन्न क्षेत्रों में उनकी गोद भराई के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

मंगलवार से शुरू हुए तीन दिवसीय कार्यक्रमों में दो दिन धार्मिक आयोजनों के दौर चला और आज शाम को जैनेश्वरी दीक्षा दिलाई गई इस दौरान बड़ी संख्या में जैन धर्मावलंबी मौजूद रहे । आयोजन के तहत आज सुबह इनका सामूहिक केशलोचन किया गया । उसके पश्चात अभिषेक , शांति धारा व सामूहिक प्रवचन हुए । उसके पश्चात मंगल स्थान में शोभायात्रा का आयोजन किया गया और शाम को दीक्षा कार्यक्रम आरंभ हुआ ।

दीक्षा लेने वालों में बांसवाड़ा की दंपति सोहनलाल जैन और पुष्पा जैन है । इसके अलावा उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद से ब्रह्मचारी अवधेश जैन , उत्तर प्रदेश बाराबंकी से ब्रह्मचारिणी मधु जैन और महाराष्ट्र औरंगाबाद से सुधाकर अम्बेकर जैन ने महाराज के सानिध्य में दीक्षा ग्रहण की । दीक्षा के पश्चात आचार्य सुंदर सागर महाराज ने दीक्षा के नियम एवं शर्तों के बारे में विस्तार से जानकारी दी तत्पश्चात दीक्षार्थियों ने निवेदन किया और सभी से दीक्षा की अनुमति मांगी । सभी परिजनों और समाज ने सहमति दी । तत्पश्चात आचार्य श्री ने आशीर्वाद प्रदान किया और दीक्षा की क्रिया प्रारंभ की । शाम 6:30 बजे शंका समाधान उसके पश्चात आरती और उसके बाद नवीन साधुओं की वंदना बहुमान आयोजित किए गए । इस दौरान बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाएं मोजूद रहे।

चित्तौड़गढ़ में आकाशीय बिजली गिरने से तीन की मौत, चार लोग झुलसे

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

चित्तौड़गढ़. जिले के रावतभाटा क्षेत्र में बिजली गिरने से तीन व्यक्तियों की मौत हो गई, जबकि चार लोग झुलस गए हैं। घटना रावतभाटा के डाबी थाना क्षेत्र के भुंजरकलां गांव में हुई. घटना की जानकारी मिलते ही लोगों ने मृतकों और झुलसे लोगों को रावतभाटा के उपजिला चिकित्सालय पहुंचाया। पुलिस उपाधीक्षक कुमावत ने बताया कि चित्तौड़गढ़ में सुबह से ही मौसम खराब था और लगातार तेज गर्जना के साथ बारिश हो रही है. बारिश के चलते खेत में काम कर रहे सभी लोग खेत में ही एक पेड़ के नीचे आकर खड़े हो गए। दोपहर भून्जर कला निवासी चतरु, पैमा, सोहनलाल, देवीलाल, गुलीराम, रूपलाल, भोजुलाल आदि लोग खेत में कृषि कार्य कर रहे थे। इसी बीच तेज गर्जना के साथ ही आकाशीय बिजली गिरी. इस हादसे में 40 वर्षीय चतरू, 60 वर्षीय पेमा और 35 वर्षीय सोहनलाल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके साथ काम कर रहे देवीलाल, गुलीराम, रूपलाल, भोजूलाल झुलस गए. सभी घायल और मृतकों को रावत भाटा के उपजिला चिकित्सालय लाया गया।

संयोग या प्रयोग : पुलिस की 'गुगली' पर 3 और बदमाश 'पगबाधा', 71 लाख लूटकर भागे,20 फीट नीचे कूदे, टूटी टांगें

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। अब इसे संयोग कहें या प्रयोग। राजस्थान के अपराधियों को सबक मिल जाना चाहिए कि यदि अपराध करते पकडे गए तो उनका पगबाधा होना तय है। फिर चाहे पुलिस कस्टडी से भागने की कहानी हो या फिर भागते-भागते दीवार फांदने और अब जयपुर में भागते हुए 20 फीट नीचे गिने की बात हो। सबसे खास बात है कि ये अपराधी भागते हुए इतना परफेक्ट गिरते हैं कि इनकी टांगें ही टूटती है, शरीर के बाकी हिस्से सही सलामत रह जाते हैं। यह अजब संयोग है या प्रयोग यह तो पुलिस वाले जी जानें मगर यूपी की तर्ज पर हो रहा यह संयोग आजकल चर्चा का विषय बना हुआ है। जयपुर में ग्राम विकास अधिकारी से 71 लाख रुपए लूटने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इन तीनों ने ही लूट की वारदात को अंजाम दिया था। गिरफ्तार आरोपियों में हिस्ट्रीशीटर रवि पंडित, सुरेंद्र जाट और मुकेश सामोता शामिल है। इन्हें रिंग रोड के पास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस जैसे ही तीनों को पकड़ने पहुंची उन्होंने रिंग रोड से 20 फीट नीचे छलांग लगा दी। आरोपी बची हुई 20 लाख रुपए की राशि को छुपाकर फरार हो गए थे। फिर गुरुवार को कैश लेने वापस जयपुर आए थे। कैश लेकर बदमाश राजस्थान छोड़कर फरार होने की फिराक में थे। इस दौरान मानसरोवर थाने के स्पेशल टीम के हैड कॉन्स्टेबल भीम सिंह को बदमाशों के रिंग रोड के पास होने की सूचना मिल गई। सूचना के बाद पुलिस रिंग रोड के पास बदमाशों का पीछा किया। पुलिस से बचने के लिए बदमाश रिंग रोड से 20 फीट नीचे कूदकर भागने लगे। पुलिस की टीम ने करीब एक किलोमीटर तक पीछा गया। इस दौरान पुलिस और गड्ढों में गिरने से टांग टूट गई। पुलिस घायल अवस्था में तीनों आरोपियों को पकड़ कर ले आई। उन्हें जयपुरिया अस्पताल में भर्ती कराया।

कन्हैयालाल के बेटों ने कहा-राजनीति मत करो, पिताजी को न्याय दिलाओ

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। आज उदयपुर में महात्मा गांधी गर्वनमेंट सकूल गोवर्धन विलास मतदान केंद्र पर वोट डालने जघन्य हत्याकांड में मौत के शिकार हुए कन्हैयालाल के बेटों ने अपने पिता के लिए न्याय की मांग की। उन्होंने कहा कि दो साल हो गए हैं, हमें त्वरित न्याय चाहिए। राजनेताओं को नसीहत दी कि राजनीति से बाज आएं। कन्हैयालाल के बेटे तरूण व यश साहू ने दो गनमैन के जाब्ते के साथ बाइक पर वोट देने आए। उन्होंने कहा कि हर बार हमारे पिताजी के नमा पर राजनीति की जाती है, दोनों प्रमुख पार्टियों ने अपना स्वार्थ सिद्ध किया। दो साल हो गए हैं हम यही चाहते हैं कि अपराधियों को जल्द से जल्द सजा मिले। राजनीतिक दल अगर सरकार पर प्रेशर डालते तो अपराधियों को अब तक सजा मिल चुकी होती।

साली की शादी में ससुराल आए जीजा की मौत

सोते समय बिगड़ी तबीयत, परिजनों ने मौत पर जताया संदेह; जांच में जुटी पुलिस

डूंगरपुर.बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र के सेरावाड़ा गांव में साली की शादी में शामिल होने गए जीजा की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। परिजनों मौत पर संदेह जताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र के शिशोद निवासी अशोक गमेती(21) अपनी साली की शादी के लिए ससुराल सेरावाड़ा गांव आया हुआ था। शादी के बाद गुरुवार को सोते समय अशोक की तबीयत बिगड़ गई। परिजन और ससुराल पक्ष के लोग पहले उसे शिशौद अस्पताल लेकर गए। वहां से उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जहां डॉक्टर ने जांच के बाद अशोक को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद अशोक के परिजनों ने मौत पर संदेह जताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। इस पर अस्पताल प्रशासन ने मृतक के शव को मॉर्च्युरी में रखा और घटना की जानकारी बिछीवाड़ा पुलिस को दी। अस्पताल पहुंची बिछीवाड़ा पुलिस ने विरोध कर रहे मृतक के परिजनों से घटनाक्रम की जानकारी ली। परिजनों का कहना था कि युवक दिनभर ठीक था और अचानक मौत हो जाना संदिग्ध है। पुलिस ने मामले की निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया। परिजनों को पोस्टमॉर्टम के लिए तैयार किया। इसके बाद शव का पोस्टमॉर्टम हो सका। पुलिस ने संदिग्ध मौत का केस दर्ज करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

24 न्यूज अपटेड
देश-दुनिया राज्यों एवं स्थानीय खबरें को देखने के लिए
हिन्दी समाचार पत्र एवं न्यूज़ चैनल
ताजा खबरें देखने के लिए
हमारे यूट्यूब चैनल को सबस्क्राइब करें
YouTube
24 NEWS UPDATE
हमारे फेसबुक पेज को फॉलो करें
लिंक पर क्लिक करें और हमारे चैनल को लाइक और सब्सक्राइब करें

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।